



Mr.



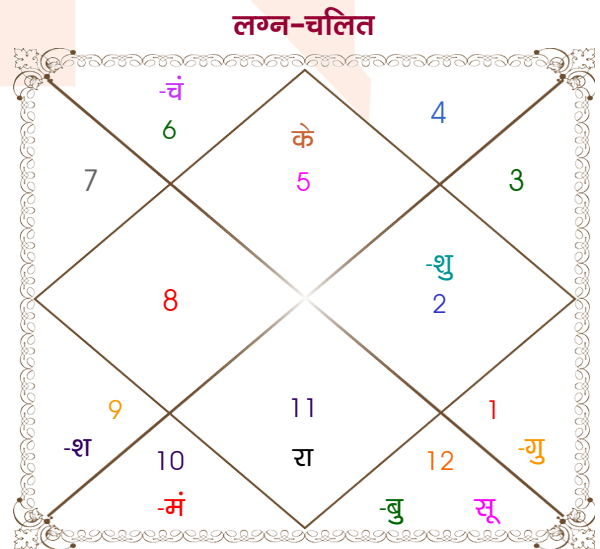
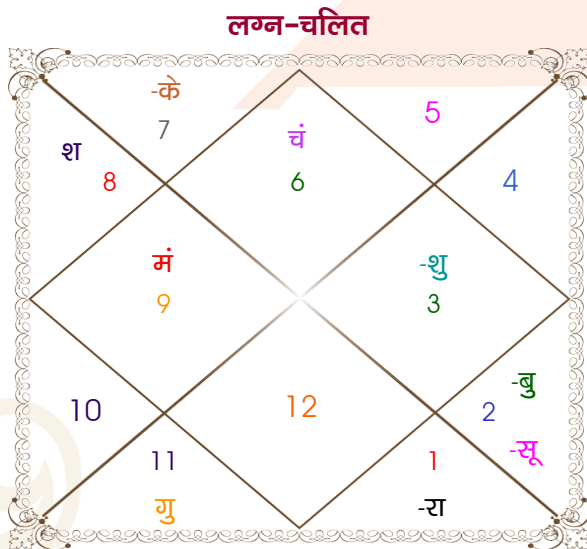
Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121735302

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 20/05/1986 : _____ जन्म तिथि _____ : 01/04/1988
 मंगलवार : _____ दिन _____ : शुक्रवार
 घंटे 16:04:00 : _____ जन्म समय _____ : 17:05:00 घंटे
 घटी 26:26:41 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 27:00:30 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Jalandhar : _____ स्थान _____ : Gurdaspur
 31:19:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 32:04:00 उत्तर
 75:34:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 75:28:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:27:44 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:28:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:29:19 : _____ सूर्योदय _____ : 06:16:49
 19:19:32 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:47:41
 23:39:51 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:41:36

विंशोत्तरी चन्द्र 4वर्ष 0मा 12दि गुरु 02/06/2015 02/06/2031	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 0वर्ष 10मा 12दि गुरु 12/02/2024 12/02/2040		
गुरु	21/07/2017	25:08:08	कन्या	लग्न	सिंह	27:06:32	गुरु	02/04/2026
शनि	01/02/2020	05:27:29	वृष	सूर्य	मीन	18:15:57	शनि	13/10/2028
बुध	09/05/2022	17:57:09	कन्या	चंद्र	कन्या	08:04:30	बुध	19/01/2031
केतु	15/04/2023	27:12:29	धनु	मंगल	मक	02:39:18	केतु	26/12/2031
शुक्र	14/12/2025	02:15:46	वृष	बुध	मीन	00:21:51	शुक्र	26/08/2034
सूर्य	02/10/2026	24:56:43	कुंभ	गुरु	मेष	11:33:17	सूर्य	14/06/2035
चन्द्र	01/02/2028	04:58:26	मिथु	शुक्र	वृष	04:06:17	चन्द्र	13/10/2036
मंगल	07/01/2029	13:18:35	वृश्चि व	शनि	धनु	08:47:03	मंगल	19/09/2037
राहु	02/06/2031	06:04:06	मेष	राहु व	कुंभ	29:25:15	राहु	12/02/2040
		06:04:06	तुला	केतु व	सिंह	29:25:15		
		27:35:39	वृश्चि व	हर्ष	धनु	07:20:57		
		11:40:47	धनु व	नेप	धनु	16:28:22		
		11:39:26	तुला व	प्लूटो व	तुला	18:17:39		



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Mr. का वर्ग श्वान है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।
Ms. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।
क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुण्डली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुण्डली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. की कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com